Literacy for a Billion

Movie: Aap Ke Saath
Year: 1986

Song: Zind Le Gaya
Lyricist: Anand Bakshi

ओ ...
आ ...
तनुम तना ताना
जिंद ले गया
वो दिल का जानी
ये बुत बेजान रह गया

जिंद ले गया
जिंद ले गया
वो दिल का जानी
जिंद ले गया
वो दिल का जानी
ये बुत बेजान रह गया

जिंद ले गया
वो दिल का जानी
ये बुत बेजान रह गया
जिंद ले गया

मेहमान चला गया घर से
ये ख़ाली मकान रह गया

जिंद ले गया
वो दिल का जानी
ये बुत बेजान रह गया
जिंद ले गया

ख़्वाबों से तक़दीरें
ख़्वाबों से तक़दीरें

कब बनती हैं
पानी पे तस्वीरें
पानी पे तस्वीरें
कब बनती हैं
ना रंग रहा कोई बाक़ी
ना कोई निशान रह गया

जिंद ले गया
जिंद ले गया
वो दिल का जानी
ये बुत बेजान रह गया
जिंद ले गया

उस आँधी का
उस तूफ़ाँ का
ज़ोर किसीको याद नहीं है
आई थी इक रोज़ क़यामत
और किसीको याद नहीं है
बस एक मेरा दिल टूटा
ये सारा जहान रह गया

जिंद ले गया
जिंद ले गया
वो दिल का जानी
ये बुत बेजान रह गया
जिंद ले गया

अपने ज़ख़्मों
अपने सदमों से मैं

कितनी शरमिंदा हूँ
क्या कारन है क्या है सबब जो
आज भी अब भी मैं ज़िन्दा हूँ
लगता है कि मेरा बाक़ी कोई
इम्तहान रह गया

जिंद ले गया
जिंद ले गया
वो दिल का जानी
ये बुत बेजान रह गया

जिंद ले गया
मेहमान चला गया घर से
ये ख़ाली मकान रह गया

जिंद ले गया
वो दिल का जानी
ये बुत बेजान रह गया
जिंद ले गया
जिंद ले गया
जिंद ले गया

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.